खण्ड-399, अंक-1
सोमवार, 28 कार्तिक, शक संवत् 1912
(19 नवम्बर, 1990 ई0)

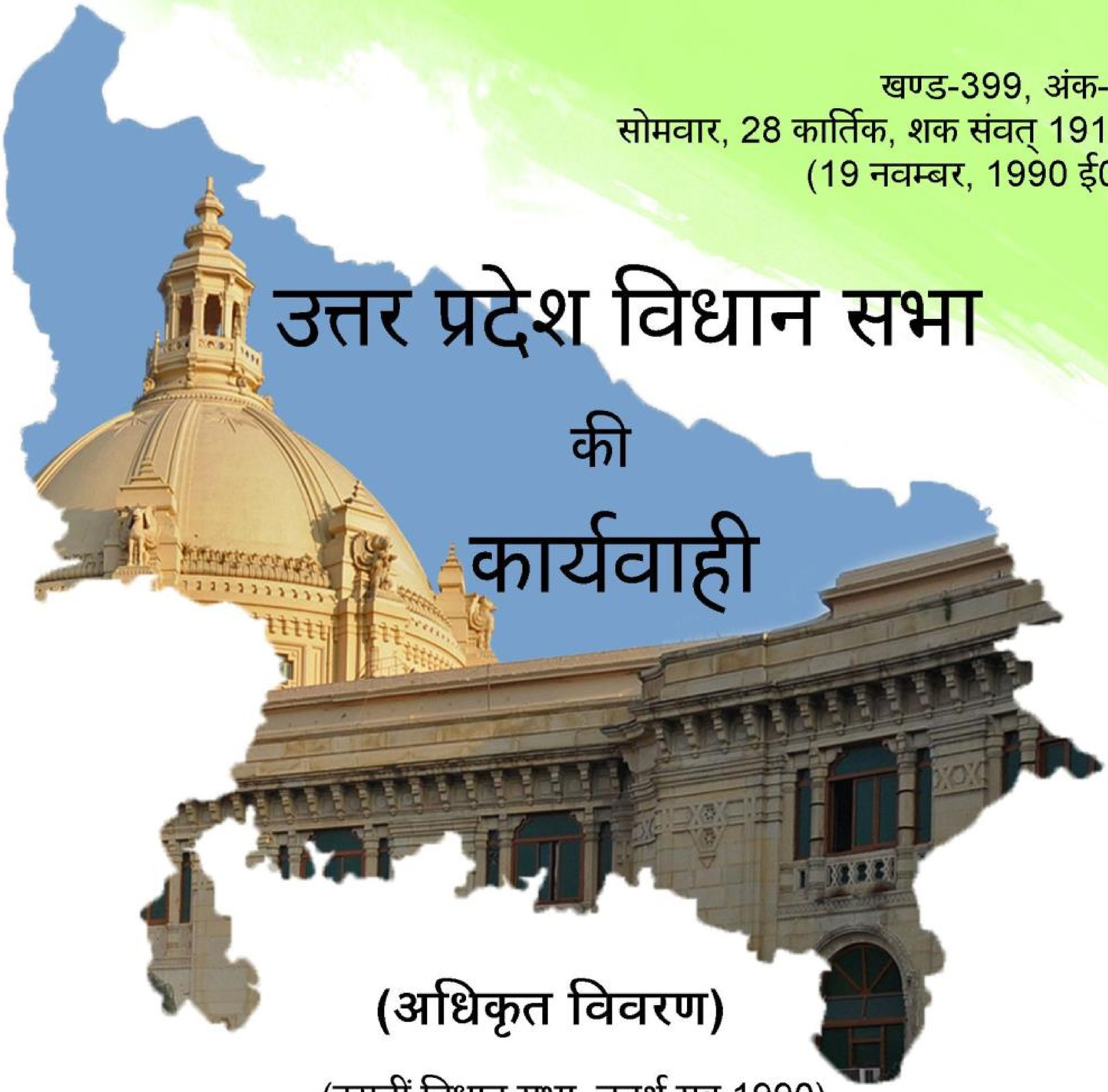

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

(दसवीं विधान सभा, चतुर्थ सत्र 1990)

खण्ड 399 में 2 अंक है

उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक:
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (भारत)
1990

मूल्य : बिना महसूल 25 पैसे, महसूल सहित 31 पैसे |
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 10 रुपये, महसूल सहित 12 रुपये |

विषय सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
विधान सभा के सदस्य, राज्यपाल, मंत्रिपरिषद्, नेता विरोधी दल, उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी तथा अधिष्ठाता मण्डल	क–छ
उपस्थित सदस्य	1
श्री कल्याण सिंह नेता भा0 ज0 पा0 द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर एवं 2 नवम्बर को हुए अयोध्या कांड में मृतकों के प्रति शोकोद्गार व्यक्त किए जाने संबंधी पत्र पर अनुमति न दिए जाने की सूचना	1
प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलापति त्रिपाठी के निधन पर शोकोद्गार . . .	2–7
विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री मलखान सिंह, श्री राम जियावन, श्री दौलत लाल, श्री यशपाल सिंह, श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह, श्री अम्बा प्रसाद वर्मा, श्री काशी प्रसाद पाण्डेय, मोहम्मद अमीन अंसारी, श्री मुल्कीराज, श्री रघुनाथ राम, श्री कामता प्रसाद विद्यार्थी, श्री वंश गोपाल चौबे, श्री मथुरा प्रसाद पाण्डेय, चौधरी दाताराम, श्री राव मुश्ताक, श्री आत्माराम पाण्डेय, श्री जगन प्रसाद रावत, चौधरी मुल्तान सिंह तथा रामचरन गंगवार के निधन पर शोकोद्गार	8–14

विधान सभा उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोमवार, दिनांक 19 नवम्बर, 1990

निम्नांकित सदस्यों के अतिरिक्त अन्य सभी सदस्य उपस्थित थे–

श्री अरुण कुमार सिंह मुन्ना	जौनपुर
श्री अशोक कुमार सिंह	उन्नाव
श्री इन्द्र प्रताप सिंह	बहराइच
श्री केशरी नाथ त्रिपाठी	इलाहाबाद
श्री गुलाब सिंह	देहरादून
श्री छेदा लाल चौधरी	खीरी
श्री ज्ञानेन्द्र स्वरूप	मथुरा
श्री महेन्द्र सिंह	पिथौरागढ़
श्री मोहम्मद असलम खां	सहारनपुर
श्री राधेश्याम भारतीय	इलाहाबाद
श्री रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू	गोण्डा
श्रीमती रेशमा आरिफ	कानपुर
श्री समीउल्ला	गोण्डा
श्री सरदार सिंह	मथुरा
श्री सी0 वी0 इनिस	इलाहाबाद
श्री सुरेश प्रताप सिंह गांधी	अलीगढ़
श्री हनुमन्त सिंह	गोण्डा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा

राज्यपाल

श्री वी0 सत्यनारायण रेड्डी

मंत्रि-परिषद्

1–श्री मुलायम सिंह यादव	सामान्य प्रशासन, प्राविधिक शिक्षा, विज्ञान एवं प्रोद्योगि, नागरिक उड्डयन, वित्त, सांस्कृतिक कार्य, सूचना, पूर्त धर्मस्व, उद्योग, गृह, ऊर्जा, दुग्ध विकास, पशुधन, मत्स्य, कृषि, सार्वजनिक उद्यम ब्योरो, संस्थागत वित्त, आवास, न्याय एवं विधायिका, सहकारिता, परिवहन, पर्यटन, सिंचाई एवं लघु उद्योग तथा पर्यावरण, शिक्षा एवं युवा कल्याण, जन स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, खाद्य तथा रसद, वन एवं खेलकूद ।
2–श्री बेनी प्रसाद वर्मा	सार्वजनिक निर्माण, संसदीय कार्य एवं आबकारी ।
3–श्री राम शरण दास	गन्ना विकास एवं राजस्व ।
4–श्रीमती सुखदा मिश्रा	ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज ।
5–श्री अवधेश प्रसाद	हरिजन एवं समाज कल्याण ।
6–श्री मोहम्मद आजम खां	श्रम एवं मुस्लिम वक्फ ।
7–श्री विक्रमादित्य पाण्डेय	नगर विकास ।
8–श्री बरफिया लाल जुवांठा	पर्वतीय विकास ।
9–श्री शतरुद्र प्रकाश	नियोजन एवं कारागार ।

नेता विरोधी दल

श्री नारायण दत्त तिवारी	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ।

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्री हरी किशन

उपाध्यक्ष

श्री सुरेन्द्र सिंह चौहान

अधिष्ठाता मण्डल

श्री सन्त बख्श रावत, सदस्य, विधान सभा
श्री राजेन्द्र त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा
श्री बाबू राम यादव, सदस्य, विधान सभा
श्री सैय्यद लियाकत हुसैन, सदस्य, विधान सभा
श्री नरेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा
श्री चौधरी शंकर सिंह, सदस्य, विधान सभा
श्री ऊदल, सदस्य, विधान सभा
डा० शिवानन्द नौटियाल, सदस्य, विधान सभा
श्री ईश्वर शरण विद्यार्थी, सदस्य, विधान सभा
श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त, सदस्य, विधान सभा

सचिव

श्री शाल चन्द्र शुक्ल

उत्तर प्रदेश विधान सभा

उत्तर प्रदेश दशम् विधान सभा के सदस्यों की सूची

1–अकबर अली, श्री — जालौन
2–अकबर हुसैन बाबर, श्री — फैजाबाद
3–अकबाल हुसैन उर्फ अकबाल हुसैन, श्री — गोण्डा
4–अख्तर, श्री — गाजियाबाद
5–अचल सिंह, श्री — फतेहपुर
6–अजय प्रताप सिंह उर्फ लल्ला भइया, श्री — गोण्डा
7–अतर सिंह यादव, श्री — एटा
8–अतीक अहमद, श्री — इलाहाबाद
9–अनवार मोहम्मद खां, श्री — फर्रुखाबाद
10–अनिल कुमार भारद्वाज, श्री — रामपुर
11–अनिल कुमार सिंह यादव, श्री — एटा
12–अनुग्रह नारायण सिंह, श्री — इलाहाबाद
13–अफजाल अंसारी, श्री — गाजीपुर
14–अमरनाथ यादव, श्री — वाराणसी
15–अमरपाल सिंह, श्री — मेरठ
16–अमरमणि त्रिपाठी, श्री — महाराजगंज
17–अमरेश चन्द्र पाण्डेय, श्री — मऊ
18–अमीर आलम खां, श्री — मुजफ्फरनगर
19–अरविन्द कुमार, श्री — ललितपुर
20–अरिदमन सिंह, श्री — आगरा
21–अरुण, कुंवर — फैजाबाद
22–अरुण कुमार सिंह "मुन्ना", श्री — जौनपुर
23–अरुण प्रताप सिंह, श्री — प्रतापगढ़
24–अर्जुन सिंह यादव, श्री — जौनपुर
25–अवधेश प्रसाद, श्री — फैजाबाद
26–अशोक कुमार, श्री — बिजनौर
27–अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
28–अशोक पाण्डेय, श्री — सुल्तानपुर
29–अशोक कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
30–अशोक कुमार सिंह, श्री — रायबरेली
31–अशोक बाजपेयी, श्री — हरदोई
32–असगर, श्री — देवरिया
33–अहिबरन, श्री — शाहजहांपुर
34–इन्दल सिंह चौहान, श्री — मैनपुरी
35–इन्द्र प्रताप सिंह, श्री — बहराइच
36–इन्द्र भद्र सिंह, श्री — सुल्तानपुर
37–इन्द्रेश विक्रम, श्री — रायबरेली
38–इम्तियाज मोहम्मद खां, श्री — बुलन्दशहर
39–ईश्वर शरण विद्यार्थी, श्री — इलाहाबाद
40–उमाकान्त बाजपेयी, श्री — फतेहपुर
41–उमानाथ सिंह, श्री — जौनपुर
42–ऊदल, श्री — वाराणसी
43–एदल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
44–ओंकार सिंह, श्री — एटा
45–ओम प्रकाश, श्री — गोरखपुर
46–ओम प्रकाश यादव, श्री — मुरादाबाद
47–ओम प्रकाश गुप्ता, श्री — सीतापुर
48–ओम प्रकाश दिवाकर, श्री — फिरोजाबाद
49–ओम प्रकाश सिंह, श्री — गाजीपुर
50–कप्तान सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
51–कमल नयन वर्मा, श्री — रायबरेली
52–कमला साहनी, श्रीमती — सिद्धार्थनगर
53–कमाल अहमद रिजवी, श्री — खीरी
54–करन चन्द्र सिंह, श्री — नैनीताल
55–करन सिंह, श्री — मुरादाबाद
56–कल्यान सिंह, श्री — अलीगढ़
57–कलियान सिंह दोहरे, श्री — फर्रुखाबाद
58–काजी मो0 मोहिउद्दीन, श्री — हरिद्वार
59–कालीचरन, श्री — मिर्जापुर
60–काशी प्रसाद, श्री — हमीरपुर
61–काशी सिंह एरी, श्री — पिथौरागढ़
62–कासिम अली, श्री — देवरिया
63–किरनपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
64–किशन गोपाल, श्री — आगरा
65–किशन सिंह तड़ागी, श्री — नैनीताल
66–किशोरी श्याम, श्री — मथुरा
67–कुंवर रेवती रमण सिंह उर्फ मणि जी — इलाहाबाद
68–कुंवर सिंह नेगी, श्री — चमोली
69–कृपा शंकर आर्य, श्री — देवरिया
70–कृष्ण किंकर सिंह, श्री — बस्ती
71–कृष्ण कुमार नवमान, श्री — अलीगढ़
72–कृष्ण स्वरूप वैश्य, श्री — बदायूं
73–केदार नाथ सिंह, श्री — गोरखपुर
74–केशरी नाथ त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
75–खुर्शीद, श्री — गाजीपुर

76–गंगाभक्त सिंह, श्री — हरदोई
77–गंगाराम, श्री — बुलन्दशहर
78–गंजी प्रसाद, श्री — वाराणसी
79–गजराज सिंह, श्री — गाजियाबाद
80–गणेश दीक्षित, श्री — कानपुर
81–गनपत सिंह, श्री — महाराजगंज
82–गया प्रसाद वर्मा, श्री — इटावा
83–गुलाब सिंह, श्री — देहरादून
84–गुलाब सिंह, श्री — मिर्जापुर
85–गोपाल रामदास, श्री — अल्मोड़ा
86–गोपीनाथ वर्मा, श्री — फैजाबाद
87–गोमती यादव, श्री — आजमगढ़
88–गोवर्धन सिंह, श्री — एटा
89–गौरी देवी, श्रीमती — गोरखपुर
90–गौरी शंकर भइया, श्री — बलिया
91–चन्द्रकली वर्मा, श्रीमती — सीतापुर
92–चन्द्रपाल सिंह, श्री — मुरादाबाद
93–चन्द्रभान मौर्य, श्री — आगरा
94–चन्द्रभान सिंह, श्री — बांदा
95–चन्द्रमणि कान्त सिंह, श्री — बहराइच
96–चन्द्र विजय सिंह, श्री — मुरादाबाद
97–चन्द्र शेखर सिंह, श्री — वाराणसी
98–चन्द्र शेखर सिंह, श्री — बस्ती
99–चरन सिंह, श्री — मेरठ
100–चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
101–चैनसुख भारती, श्री — जालौन
102–चौधरी शंकर सिंह, श्री — जालौन
103–छन्नू लाल शास्त्री, श्री — वाराणसी
104–छेदा लाल चौधरी, श्री — खीरी
105–छोटे लाल, श्री — खीरी
106–जगदीश चन्द्र, डा0 — लखनऊ
107–जगदीश लाल, श्री — महाराजगंज
108–जगमोहन सिंह यादव, श्री — मैनपुरी
109–जगराम सिंह, श्री — मुरादाबाद
110–जगवीर सिंह, श्री — अलीगढ़
111–जनार्दन प्रसाद ओझा, श्री — महाराजगंज
112–जफर अली नकवी, श्री — खीरी
113–जमुना प्रसाद बोस, श्री — बांदा
114–जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
115–जयराज गौतम, श्री — सुल्तानपुर
116–जय शंकर पाण्डेय, श्री — फैजाबाद
117–जयसिंह यादव, श्री — प्रतापगढ़
118–जसवन्त सिंह, बिष्ट, श्री — अल्मोड़ा
119–जागेश्वर, श्री — फतेहपुर
120–जी0 एस0 विनोद, डा0 — मुजफ्फरनगर
121–जौहरी लाल त्रिवेदी, श्री — कानपुर
122–ज्ञानेन्द्र स्वरूप, श्री — मथुरा
123–ज्वाला प्रसाद यादव, श्री — जौनपुर
124–झग्गड़ सिंह, श्री — मेरठ
125–तीरथराज, श्री — सोनभद्र
126–तेजपाल, श्री — बिजनौर
127–दयाराम भास्कर, श्री — आजमगढ़
128–दयाशंकर, श्री — वाराणसी
129–दशरथ सिंह, श्री — गोण्डा
130–दिनेश जौहरी, डा0 — बरेली
131–दिवाकर विक्रम सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
132–दीपचन्द्र सोनकर, श्री — जौनपुर
133–दीपनारायन, श्री — आजमगढ़
134–दुर्गा प्रसाद यादव, श्री — आजमगढ़
135–देवकी नन्दन, श्री — उन्नाव
136–देवकुमार यादव, श्री — बांदा
137–देवता दीन, श्री — बहराइच
138–देवी प्रसाद, श्री — बहराइच
139–देवेन्द्र कुमार सिंह, श्री — ललितपुर
140–देवेन्द्र सिंह, श्री — एटा
141–दौलतराम, श्री — बदायूं
142–दौलतराम, श्री — सीतापुर
143–धनीराम वर्मा, श्री — इटावा
144–धर्मज्ञ मिश्र, श्री — हरदोई
145–धर्मपाल, श्री — बहराइच
146–धर्मपाल, श्री — बुलन्दशहर
147–धर्मवीर सिंह वालियान, श्री — मुजफ्फरनगर
148–नकली सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
149–नजमुद्दीन, श्री — इलाहाबाद
150–नरेन्द्र पाल सिंह, श्री — बरेली
151–नरेन्द्र सिंह भाटी, श्री — बुलन्दशहर
152–नरेन्द्र सिंह, श्री — मेरठ
153–नरेन्द्र सिंह भण्डारी, श्री — गढ़वाल
154–नरेश चन्द्र अग्रवाल, श्री — हरदोई
155–नरेश चन्द्र उत्तम, श्री — फतेहपुर
156–नारायण दत्त तिवारी, श्री — नैनीताल
157–नियाज हसन, श्री — प्रतापगढ़
158–निरवेन्द्र कुमार, श्री — खीरी
159–निहाला सिंह, श्री — वाराणसी
160–नेमपाल सिंह, श्री — बुलन्दशहर
161–पंचानन राय, श्री — आजमगढ़
162–पद्मा सेठ, श्रीमती — सीतापुर
163–परमाई लाल, श्री — हरदोई
164–परवेज हलीम खान, श्री — मेरठ
165–प्रागीलाल अहिरवार, श्री — झांसी
166–पारसनाथ यादव, श्री — जौनपुर

167–पूर्णवासी, श्री — देवरिया
168–पुष्पा देवी, श्रीमती — बदायूं
169–प्यारेलाल शंखवार, श्री — कानपुर देहात
170–प्रदीप कुमार यादव, श्री — बाराबंकी
171–प्रभु दयाल यादव, श्री — कानपुर देहात
172–प्रभुदयाल प्रधान, श्री — मेरठ
173–प्रमोद कुमार, श्री — प्रतापगढ़
174–प्रवीण सिंह एरन, श्री — बरेली
175–प्रेम प्रकाश उर्फ जिप्पी तिवारी, श्री — सिद्धार्थनगर
176–प्रेमवती तिवारी, श्रीमती — लखनऊ
177–फकीरे लाल वर्मा, श्री — फर्रुखाबाद
178–फौजदार प्रसाद, श्री — मऊ
179–बंशीधर, श्री — रामपुर
180–बदन सिंह, श्री — आगरा
181–बरफिया लाल जुवांठा, श्री — उत्तर काशी
182–बलराम यादव, श्री — आजमगढ़
183–बलबीर सिंह, श्री — टिहरी गढ़वाल
184–बलदेवा सिंह, श्री — बिजनौर
185–बसन्त लाल गुप्ता, श्री — लखनऊ
186–बहादुर सिंह, श्री — आगरा
187–बाबूराम यादव, श्री — मैनपुरी
188–बाबूलाल, श्री — हमीरपुर
189–बाबूलाल सरोज, श्री — प्रतापगढ़
190–बाबू सिंह यादव, श्री — अलीगढ़
191–बालचन्द्र मिश्रा, श्री — कानपुर
192–बृजभूषण मणि त्रिपाठी, डा0 — फैजाबाद
193–बृजेन्द्र सिंह, श्री — अलीगढ़
194–बेनी प्रसाद वर्मा, श्री — बाराबंकी
195–ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, श्री — देवरिया
196–भगवानदीन कुशवाहा, श्री — कानपुर देहात
197–भगवान सिंह शाक्य, श्री — बदायूं
198–भारत सिंह रावत, श्री — गढ़वाल
199–भूधर नारायण मिश्र, श्री — कानपुर
200–भूपेन्द्र नाथ शर्मा, श्री — बरेली
201–भोपाल सिंह, श्री — मेरठ
202–भोला पाण्डेय, श्री — बलिया
203–भोला सिंह, श्री — इलाहाबाद
204–मंजूर अहमद, श्री — बरेली
205–मंत्री प्रसाद नौथानी, श्री — टिहरी गढ़वाल
206–मण्डलेश्वर, श्री — आगरा
207–मदन गोविन्द राव, श्री — देवरिया
208–मनोहर लाल, श्री — उन्नाव
209–मयंकर सिंह, श्री — बहराइच
210–मस्तराम, श्री — उन्नाव
211–महाराज सिंह यादव, श्री — इटावा
212–महावीर सिंह "आजाद", श्री — मुजफ्फरनगर
213–महाबीर सिंह राणा, श्री — सहारनपुर
214–महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — इलाहाबाद
215–महेन्द्र सिंह माहरा, महू भाई, श्री — पिथौरागढ़
216–महेन्द्र सिंह भाटी, श्री — गाजियाबाद
217–माता प्रसाद पाण्डेय, श्री — सिद्धार्थनगर
218–माधव, श्री — एटा
219–मारकण्डेय चन्द्र, श्री — गोरखपुर
220–मास्टर कुंवर पाल, श्री — सहारनपुर
221–मिठाई लाल शास्त्री, श्री — गोरखपुर
222–मीर मजहर अली उर्फ नन्हे मियां, श्री — बदायूं
223–मुंशी लाल, श्री — इटावा
224–मुईद अहमद, श्री — सुल्तानपुर
225–मुक्तिनाथ यादव, श्री — देवरिया
226–मुख्तार अनीस, श्री — सीतापुर
227–मुरलीधर मुनीम, श्री — गोण्डा
228–मुलायम सिंह यादव, श्री — इटावा
229–मुहम्मद सईद 'भूमर' — सिद्धार्थनगर
230–मुस्तमन्द अली खां, श्री — मथुरा
231–मूलचन्द, श्री — वाराणसी
232–मोतीलाल देहलवी, श्री — कानपुर देहात
233–मोबीन अहमद आजमी, श्री — मऊ
234–मोहम्मद असलम खां, श्री — सहारनपुर
235–मोहम्मद आजम खां, श्री — रामपुर
236–मोहम्मद उल्लाह चौधरी, डा0 — मुरादाबाद
237–मोहम्मद रिजवानुल हक, श्री — मुरादाबाद
238–मो0 हयात, श्री — मुरादाबाद
239–यदुनाथ सिंह, श्री — मिर्जापुर
240–यशपाल, श्री — नैनीताल
241–यशवंत, श्री — आजमगढ़
242–युवराज सिंह, श्री — हमीरपुर
243–योगेन्द्र कुमार, श्री — बदायूं
244–रघुनाथ सिंह वर्मा पटेल, श्री — फिरोजाबाद
245–रघुराज प्रसाद उपाध्याय, श्री — गोण्डा
246–रघुवर दयाल वर्मा, श्री — फिरोजाबाद
247–रणजीत सिंह, श्री — देहरादून
248–रणजीत सिंह जूदेव, श्री — देहरादून
249–रतनलाल अहिरवार, श्री — झांसी
250–रतनलाल उर्फ दीना, श्री — बाराबंकी
251–रमाकान्त यादव, श्री — आजमगढ़

252–रमापति शास्त्री, श्री — गोण्डा
253–रमेश करन, श्री — अलीगढ़
254–रविकान्त गर्ग, श्री — मथुरा
255–रविदास मेहरोत्रा, श्री — लखनऊ
256–रवीन्द्र कुमार सिंह, श्री — गाजीपुर
257–रवीन्द्र नाथ तिवारी, श्री — फैजाबाद
258–रवीन्द्र राघव उर्फ पप्पन, श्री — बुलन्दशहर
259–रवीन्द्र शुक्ल, श्री — झांसी
260–रवीन्द्र सिंह चौहान, श्री — इटावा
261–राकेश कुमार पालीवाल, श्री — फिरोजाबाद
262–राकेश धर त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
263–राजकिशोर सिंह, श्री — वाराणसी
264–राजधारी, श्री — बलिया
265–राजनाथ सोनकर शास्त्री, श्री — गाजीपुर
266–राजपति, श्री — जौनपुर
267–राजपती देवी, श्रीमती — सुल्तानपुर
268–राजपाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
269–राजमणि पाण्डेय, श्री — बस्ती
270–राजा मो0 अमीर मोहम्मद खां, श्री — सीतापुर
271–राजित प्रसाद यादव, श्री — वाराणसी
272–राजीव कुमार सिंह, — बाराबंकी
273–राजेन्द्र कुमार गुप्त, श्री — सीतापुर
274–राजेन्द्र त्रिपाठी, श्री — इलाहाबाद
275–राजेन्द्र सिंह, श्री — हमीरपुर
276–राजेश्वर बंसल, श्री — मुजफ्फरनगर
277–राधेश्याम भारतीय, श्री — इलाहाबाद
278–रामआसरे अग्निहोत्री, श्री — कानपुर
279–राम आसरे पासवान, श्री — बस्ती
280–राम अौतार दीक्षित, श्री — हरदोई
281–राम अौतार मिश्र, श्री — शाहजहांपुर
282–रामकरन आर्य, श्री — बस्ती
283–रामकुमार वर्मा, श्री — खीरी
284–राम कुमार शुक्ल, श्री — लखनऊ
285–राम गोविन्द चौधरी, श्री — बलिया
286–राम चन्द्र बख्श सिंह, श्री — बाराबंकी
287–राम छबीला मिश्र, श्री — देवरिया
288–राम तेज, श्री — बहराइच
289–राम दुलारे सिंह, श्री — इलाहाबाद
290–रामधनी, श्री — गाजीपुर
291–रामपाल वर्मा, श्री — हरदोई
292–रामपाल सिंह, एडवोकेट — गोण्डा
293–राम प्रसाद देशमुख, श्री — अलीगढ़
294–राम प्रसाद सिंह, श्री — बांदा
295–राम बक्श वर्मा, श्री — फर्रुखाबाद
296–राम बचन, श्री — आजमगढ़
297–राम बचन धुसिया, श्री — बलिया
298–राम मूरती सिंह, श्री — शाहजहांपुर
299–रामरति बिन्द, श्री — वाराणसी
300–राम लखन यादव, श्री — प्रतापगढ़
301–राम लखन वर्मा, श्री — फैजाबाद
302–राम ललित, श्री — बस्ती
303–राम विशुन आजाद, श्री — गोण्डा
304–राम शरण दास, श्री — सहारनपुर
305–राम सरन सिंह, श्री — अलीगढ़
306–राम सिंह सैनी, श्री — हरिद्वार
307–राम सेवक, श्री — सुल्तानपुर
308–राम सेवक सिंह, श्री — बदायूं
309–राम स्वरूप वर्मा, श्री — कानपुर
310–रामेश्वर दयाल बाल्मीकी, श्री — मैनपुरी
311–रामेश्वरी, श्रीमती — बिजनौर
312–राय लक्ष्मी नारायन सिंह, श्री — जौनपुर
313–रिछपाल सिंह बंसल, श्री — मेरठ
314–रिजवान जहीर उर्फ रिज्जू, श्री — गोण्डा
315–रिफाकत हुसैन, श्री — मुरादाबाद
316–रियाज अहमद, श्री — पीलीभीत
317–रुद्र प्रसाद, श्री — मिर्जापुर
318–रेशमा आरिफ, श्रीमती — कानपुर
319–लक्ष्मी कान्त बाजपेयी, श्री — मेरठ
320–लटूरी सिंह, श्री — एटा
321–लालझारी देवी, श्रीमती — देवरिया
322–लालता प्रसाद यादव, श्री — जौनपुर
323–विक्रमादित्य, श्री — बलिया
324–विजय लक्ष्मी, श्रीमती — बलिया
325–विजय सिंह, श्री — सोनभद्र
326–विजय सिंह राणा, श्री — बागपत
327–विनोद कुमार चौधरी, श्री — लखनऊ
328–विपिन बिहारी, श्री — हरदोई
329–विमल प्रसाद तिवारी, श्री — फर्रुखाबाद
330–विमला राकेश, श्रीमती — सहारनपुर
331–विशुन दयाल, श्री — बहराइच
332–विश्राम दास, श्री — इलाहाबाद
333–विश्वनाथ सिंह, श्री — देवरिया
334–वीर अभिमन्यु सिंह, श्री — फतेहपुर
335–वीरेन्द्र कुमार चौधरी, श्री — सीतापुर
336–वीरेन्द्र नाथ दीक्षित, श्री — कानपुर
337–वीरेन्द्र सिंह सोलंकी, श्री — एटा
338–वीरेन्द्र सिंह, श्री — गाजीपुर

339–वीरेन्द्र सिंह, श्री — मुजफ्फरनगर
340–वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, श्री — सहारनपुर
341–वीरेन्द्र सिंह, श्री — हरिद्वार
342–शतरुद्र प्रकाश, श्री — वाराणसी
343–शफीकुर्रहमान बर्क, श्री — मुरादाबाद
344–शमी (शमीम) अहमद खाँ, डा0 — मुरादाबाद
345–शमेन्द्र त्यागी, श्री — मुरादाबाद
346–शशि मित्तल, श्रीमती — मेरठ
347–शारदा देवी, श्रीमती — गोरखपुर
348–शारदानन्द अंचल, श्री — बलिया
349–शारदा प्रसाद रावत, श्री — गोरखपुर
350–शारदा प्रताप शुक्ल, श्री — लखनऊ
351–शिवकरन सिंह, श्री — बाराबंकी
352–शिव कुमार बेरिया, श्री — कानपुर
353–शिव दर्शन, श्री — रायबरेली
354–शिव प्रताप शुक्ल, श्री — गोरखपुर
355–शिव बहादुर सक्सेना, श्री — रामपुर
356–शिव बालक पासी, श्री — रायबरेली
357–शिवराज सिंह चौहान उर्फ पी0 टी0 आई0, श्री — मैनपुरी
358–शिवराम सिंह कुशवाहा, श्री — जालौन
359–शिवानन्द नौटियाल, डा0 — चमोली
360–शेख मोहम्मद सुलेमान, श्री — बिजनौर
361–शैलेन्द्र कुमार, श्री — इलाहाबाद
362–श्याम देव राय चौधरी दादा, श्री — वाराणसी
363–श्याम नारायन तिवारी, श्री — गोरखपुर
364–श्याम बिहारी सिंह, श्री — बरेली
365–श्याम लाल रावत, श्री — सीतापुर
366–श्याम सुन्दर शर्मा, श्री — मथुरा
367–श्री प्रकाश उर्फ भानू, श्री — आजमगढ़
368–श्रीराम चौहान, श्री — बस्ती
369–संगम लाल शुक्ला, श्री — प्रतापगढ़
370–संत बख्श रावत, श्री — लखनऊ
371–संत श्रीराम द्विवेदी, श्री — फैजाबाद
372–सन्तोष कुमारी पाठक, श्रीमती — बदायूं
373–सच्चिदानन्द बाजपेयी, श्री — उन्नाव
374–सत्य प्रकाश विकल, श्री — आगरा
375–सत्य प्रकाश सोनकर, श्री — वाराणसी
376–सन्नू लाल, श्री — पीलीभीत
377–समीउल्ला, श्री — गोण्डा
378–सरजीत सिंह डंग, डा0 — मिर्जापुर
379–सरदार सिंह, श्री — मथुरा
380–सरस्वती तिवारी, श्रीमती — अल्मोड़ा
381–सरस्वती प्रताप सिंह, श्री — खीरी
382–सर्वराज सिंह, कुंवर — बरेली
383–सावित्री देवी, श्रीमती — जौनपुर
384–साहब सिंह, श्री — मेरठ
385–सिया दुलारी, श्रीमती — बांदा
386–सियाराम सागर, डा0 — बरेली
387–सी0 वी0 इनिस, श्री — नाम निर्देशित आंग्ल भारतीय
388–सुखदा मिश्रा, श्रीमती — इटावा
389–सुखबीर सिंह, श्री — बिजनौर
390–सुखबीर सिंह गहलौत, श्री — गाजियाबाद
391–सुन्दर लाल कुरील, श्री — उन्नाव
392–सुन्दर लाल, श्री — बाराबंकी
393–सुबास, श्री — मऊ
394–सुरेन्द्र कुमार उर्फ मुन्नी, श्री — गाजियाबाद
395–सुरेन्द्र कुमार दुबे, श्री — हरदोई
396–सुरेन्द्र पाल वर्मा, डा0 — बांदा
397–सुरेन्द्र प्रताप नारायण पाण्डेय, श्री — बस्ती
398–सुरेन्द्र विक्रम सिंह, श्री — शाहजहांपुर
399–सुरेन्द्र सिंह चौहान, श्री — अलीगढ़
400–सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
401–सुरेश चन्द्र सिंह यादव, श्री — फर्रुखाबाद
402–सुरेश प्रताप सिंह गांधी, श्री — अलीगढ़
403–सुरेश यादव, श्री — देवरिया
404–सूर्यभान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
405–सैय्यद लियाकत हुसैन, श्री — फतेहपुर
406–सोमांश प्रकाश, श्री — मुजफ्फरनगर
407–स्वामी नाथ, श्री — देवरिया
408–हनुमन्त सिंह, श्री — गोण्डा
409–हरदेव सिंह, श्री — बाराबंकी
410–हरद्वार दूबे, एडवोकेट, श्री — आगरा
411–हर नारायण, श्री — पीलीभीत
412–हर नारायण सिंह, श्री — रायबरेली
413–हर फूल सिंह, श्री — सहारनपुर
414–हरिवंश सहाय, श्री — देवरिया
415–हरि किशन, श्री — कानपुर देहात
416–हरिचरन यादव, श्री — सुल्तानपुर
417–हरिवंश कपूर, श्री — देहरादून
418–हरि शंकर तिवारी, — गोरखपुर
419–हरीश कुमार गंगवार, श्री — पीलीभीत
420–हरेन्द्र सिंह मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
421–हाजी मो0 वसीम, श्री — रायबरेली
422–हृदय नारायण, श्री — उन्नाव
423–होशियार, श्री — बुलन्दशहर

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सोमावार, दिनांक 19 नवम्बर, 1990 विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में 11 बजे दिन में अध्यक्ष श्री हरी किशन की अध्यक्षता में आरम्भ हुई ।

श्री कल्यान सिंह नेता, भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिनांक 30 अक्तूबर एवं 2 नवम्बर को हुए अयोध्या-काण्ड में मृतकों के प्रति शोकोद्गार व्यक्त किए जाने संबंधी पत्र पर अनुमति न दिए जाने की सूचना

(समय 11 बजकर 05 मिनट)

(श्री कल्यान सिंह अपने स्थान पर बोलने के लिए खड़े हो गए, उनके खड़े होने पर सत्ता पक्ष के प्रायः सभी लोग अपने अपने स्थानों पर खड़े होकर कुछ कहने और नारेबाजी करने लगे जिससे सदन में घोर व्यवधान हो गया)

श्री अध्यक्ष–

माननीय कल्यान सिंह जी ने एक पत्र मुझको दिया था, आप लोग इस बात से अवगत हैं कि यदि किसी के निधन पर यहां सदन में किसी के प्रति श्रद्धांजलि देनी हो तो उस शोक प्रस्ताव के लिए माननीय नेता, सदन और नेता, विरोधी दल की उस पर अनुमति आवश्यक है । अतएव उस पत्र पर विचार कर लिया गया और उस पर अब किसी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं समझी गयी ।

(व्यवधान)

(भारतीय जनता पार्टी के सभी सदस्य अपने स्थानों पर खड़े होकर आपत्ति व्यक्त करने लगे जिससे सदन में घोर व्यवधान हो गया)

श्री कल्यान सिंह–

यदि इस पर सदन श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता है और उसके लिए अनुमति ग्रहण करना चाहे, तो उसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए । 30 अक्तुबर और 2 नवम्बर को अयोध्या में जो नर संहार हुआ है । (घोर व्यवधान)

श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त–

मान्यवर, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है । मान्यवर, आपने जो व्यवस्था दी है, यह मुझे शिरोधार्य है । मैं इस संबंध में एक निवेदन करना चाहता हूं ।

श्री राजेन्द्र त्रिपाठी–

कुछ निवेदन नहीं, आप बैठिये ।

(सत्ता पक्ष और भारतीय जनता पार्टी के सदस्य अपने अपने स्थानों से एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करते रहने के कारण घोर व्यवधान)

जब अध्यक्ष महोदय ने अपनी व्यवस्था उस पर दे दी है, तो आपको क्या बोलने की आवश्यकता है । आप किस अधिकार से बोल रहे हैं? (व्यवधान)

श्री राजेन्द्र कुमार गुप्त–

अभी कल्यान सिंह जी ने जो कहा है, मैं उससे हटकर कुछ आपसे निवेदन करना चाहता हूं ।

श्री राजेन्द्र त्रिपाठी–

मान्यवर, यह और यह लोग जो कुछ कह रहे हैं, उसे कार्यवाही से निकलवा दिया जाए और इन्हें इस तरह बोलने से रोका जाये । (घोर व्यवधान)

(नेता सदन, श्री मुलायम सिंह यादव के अपने स्थान पर बोलने के लिए खड़े होने पर घोर

(व्यवधान)

श्री यदुनाथ सिंह–

मान्यवर, एक विशेष उद्देश्य (परपज) से यह सदन बुलाया गया है, लेकिन....

(अध्यक्ष पीठ के सामने की ओर से 'मुलायम सिंह इस्तीफा दो, मुलायम सिंह सीधे इस्तीफा दो' और 'मुलायम सिंह तुरन्त इस्तीफा दो' के नारे बराबर लगाए जाते रहे जिससे घोर व्यवधान होता रहा ।

(घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष–

आप सब लोग कृपया बैठ जाएं ।

श्री यदुनाथ सिंह–

मान्यवर, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

श्री अध्यक्ष–

आज कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं होगा ।

(घोर व्यवधान)

श्री रविदास मेहरोत्रा–

मुलायम सिंह इस्तीफा दो ।

(कई सदस्यों ने मुलायम सिंह इस्तीफा दो के नारे लगाये ।)

प्रदेश के भूतपूर्व मुख्य मंत्री पं0 कमलापति त्रिपाठी के निधन पर शोकोद्गार

*मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)–

अध्यक्ष महोदय, आज सदन के एक महान

(घोर व्यवधान)

आज एक दुखद समाचार देते हुए मुझे दुख है । इस देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और इस महान देश के आदरणीय, पंडित कमलापति त्रिपाठी हमारे बीच नहीं रहे । स्व0 पंडित कमलापति त्रिपाठी ने बचपन से आजादी की लड़ाई के लिए अपने परिवार, शिक्षा और पत्रकारिता को भी लगा दिया ।

(घोर व्यवधान)

हमारे देश के महान नेता स्व0 पंडित कमलापति त्रिपाठी ने हमारे देश के लिए आजादी की लड़ाई से लेकर देश और प्रदेश के विकास के लिए लगातार विभिन्न पदों पर रहकर, विधान सभा में रहकर, मुख्य मंत्री पद पर रहकर इस देश और प्रदेश की सेवा की, देश और प्रदेश का विकास किया ।

(घोर व्यवधान)

वह अपनी कर्मठता के बल पर, अपनी विद्वता के बल पर उभरकर महान नेता के रूप में सामने आए । दिल्ली सरकार में वह विभिन्न पदों पर रहे हैं चाहे वह परिवहन मंत्री के रूप में रहे हों अथवा रेलमंत्री के रूप में रहे हों । उन्होंने जो देश की महान सेवा की है उसको भुलाया नहीं जा सकता है ।

(घोर व्यवधान)

पंडित कमलापति त्रिपाठी देश की राजभाषा के प्रबल समर्थक रहे हैं । इन्होंने संवैधानिक सभा में हिन्दी को राष्ट्र भाषा का दर्जा देने का समर्थन किया । पंडित कमलापति त्रिपाठी के निधन से आज केवल कांग्रेस पार्टी को ही नहीं, पूरे देश को इस महान नेता के चले जाने से जो क्षति हुई है उसको भरा नहीं जा जा सकता है । पंडित कमलापति त्रिपाठी महात्मा गांधी के पक्के

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

अनुयायी थे । इन्होंने आजादी की लड़ाई के लिए अपनी शिक्षा और पत्रकारिता को दांव पर लगा दिया । वह उच्च स्तर के महान पत्रकार थे । उन्होंने कई पुस्तकों को लिखा । मुझे अफसोस है कि उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की लड़ाई में विरोधियों का साथ न देते हुए कहा था कि अगर मस्जिद पर फावड़ा लगेगा तो पहला फावड़ा मेरे माथे पर लगेगा । हमारे बीच से इतने महान नेता चले गये जो जीवन भर सौजन्यता से, अपनी विद्वता से, अपनी गम्भीरता से अपने त्याग से प्रदेश में ही नहीं देश के अंदर एक महान नेता के रूप में उभर कर आये थे । मुझे आज बहुत अफसोस है । निधन से पहले उन्होंने एक पत्र मुझे लिखा था । एक छोटे से काम के लिए लिखा था । मैंने उसी दिन उनकी चिट्ठी पर अमल किया । उन्होंने हिन्दी के नाम पर राष्ट्रभाषा के नाम पर हमको आशीर्वाद दिया । उन्होंने जो पत्र मुझे लिखा था उसमें यह कहा था कि आप हिन्दी भाषा के नाम पर जो कदम उठा रहे हैं मेरा पूरा सहयोग और समर्थन रहेगा । आज यदि वह हमारे बीच होते तो साम्प्रदायिक शक्तियों को कुचलने में सहयोग और समर्थन देते । आज हमारे प्रदेश के महान नेताओं में से जिन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपना एक अलग स्थान बनाया पंडित कमलापति त्रिपाठी का नाम है । उन्होंने जीवन के बहुमुखी क्षेत्रों में चाहे वह राजनीतिक क्षेत्र रहा हो कुर्सी पर बैठकर कुर्सी की शोभा बढ़ाई न कि कुर्सी से अपनी शोभा बढ़ाई । पंडित कमलापति त्रिपाठी ने अपने त्याग गम्भीर स्वभाव व विद्वता से देश की जो सेवा की उसे देश कभी भूल नहीं सकता है । आने वाले वर्षों में हम उनके कामों से प्रेरणा लेकर देश को आगे बढ़ा सकते हैं । इन्हीं शब्दों के साथ उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अपनी तरफ से, अपने दल की तरफ से और इस सदन की तरफ से अर्पित करता हूं ।

नेता विरोधी दल (श्री नारायण दत्त तिवारी)–

श्रीमन् मैं आज अपने देश और प्रदेश के एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रशासक, ज्ञानविद, विद्वान सम्पादक, यशस्वी पत्रकार और श्रेष्ठ सांसद के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए खड़ा हुआ हूं । श्री कमलापति त्रिपाठी ने सन् 1937 से लेकर 1973 तक इस सदन की सेवा की । निरन्तर इतने वर्षों तक इस सदन की शोभा बढ़ाने का गौरव उन्हें प्राप्त हुआ । उनके गुणों के बारे में कितनी प्रशंसा की जाय । मैं तो उनके विनम्र अनयायियों में से एक रहा हूं । उनके गुणों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिला । वे स्वभाव से गम्भीर थे । आलोचना के मध्य शान्त बने रहना, सदन में संसदीय आचरण का अनुसरण कर किस प्रकार सदन के नियमों को निभाया जाता है । किस प्रकार से संसदीय भाषा में चुनौतियां स्वीकार करते थे तथा चुनौतियां देते थे, उनसे हमने बहुत कुछ सीखा परन्तु पूर्ण रूप से आज भी नहीं सीख पाये ।

एक सदस्य–

समर्थन दिया कि नहीं ?

श्री नारायण दत्त तिवारी–

श्रीमन् जब हम इतनी महान आत्मा को श्रद्धांजलि व्यक्त कर रहे हैं तो यह सदन की गरिमा के अनुकूल है कि इस सदन में ऐसा वातावरण बनाया जाये जिससे हम सब अपने मनोभावों को व्यक्त कर सकें । आज हम एक ऐसी विभूति के प्रति यहां श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं जिनसे हमें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला ।

एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में उन्होंने न जाने कितनी बार जेल यातनायें सहीं । नैनी सेन्ट्रल जेल से जब वह छूटे तो सन् 1945 में मुझे उनके प्रथम दर्शन प्रयाग में हुये थे । ''आज'' तथा ''संसार'' के संपादक के रूप में, ज्ञानमंडल वाराणसी से जुड़कर उन्होंने साहित्य तथा पत्रकारिता की बड़ी सेवा की । काशी विद्यापीठ के विकास में, संस्कृत विश्वविद्यालय के निर्माण में, काशी नागरी प्रचारिणी सभा के उत्थान में उनका योगदान सर्वविदित है । इस प्रदेश में सिंचाई मंत्री के रूप में, मुख्य मंत्री के रूप में तथा नेता विरोधी दल के रूप में उन्होंने इस सदन की गरिमा बढ़ायी और सदन में अपनी वाणी से सदैव प्रेरणा प्रदान की है । श्रीमन्, एक प्रशासक के रूप में मैंने पंडित जी को बहुत नजदीक से देखा है । जब वह मुख्य मंत्री थे तो उन्होंने मुझे वित्त विभाग

दिया था । उस समय किस प्रकार से ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन से लेकर पिक-अप तक जैसी संस्थाएं उनके मुख्यमंत्रित्व काल में बनी यह सर्वविदित है । जब वह रेल मंत्री थे तो किस प्रकार उन्होंने उत्तर प्रदेश सहित सारे भारत में रेलवे सुविधाओं की पुनर्रचना की तो इससे सभी भलीभांति अवगत हैं ।

पिछले दिनों जब वह संसदीय राजनीति में नहीं थे तो भी देश के एक महान स्टेटसमैन तथा एक श्रेष्ठ नीतिमान एवं अनुभवी वयोवृद्ध राजनीतिक के रूप में उनकी सलाह सभी दलों के लोग मानते थे । वह मुक्त रूप से सभी दलों को राजनीतिक सलाह दिया करते थे । एक बड़े राजपुरुष का मान और सम्मान उन्हें दिल्ली में मिला था । उन्होंने साहित्य की बड़ी सेवा की है और अनेक पुस्तकें लिखीं हैं । साहित्य सेवा के लिये उनको अनेक प्रतिष्ठित साहित्यक पुरस्कार प्राप्त हुए थे । अपने राजनीतिक जीवन में सात दशकों में उन्होंने हमारे राष्ट्रीय जीवन के जो अध्यायों के निर्माण में उन्होंने जिस प्रकार योगदान किया है वह चिरस्मरणीय रहेगा और हम उसके लिये उन्हें सदैव याद रखेंगे । श्रीमन्, इन शब्दों के साथ श्रद्धेय, पितृतुल्य पंडित कमलापति त्रिपाठी को मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से श्रध्दांजलि अर्पित करता हूं । कांग्रेस की उन्होंने जीवन पर्यन्त सेवा की । कितने दबाव पड़े, कितने प्रलोभन दिये गये लेकिन वह कांग्रेस के आजीवन अडिग सिपाही बने रहे । उन्होंने गांधी और नेहरु के कांग्रेस दल की मर्यादा बनाये रखी । उन्होंने दुख तथा कभी-कभी अपमान झेलकर भी एक दलगत अनुशासन बनाये रखा । एक ऐसे दल की ओर से दल के महान नेता को, कांग्रेस के कार्यवाहक सभापति, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष, विधान मंडल दल के नेता, अनुकरणीय, समर्पित राजनीतिज्ञ के प्रति मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से विनम्र-हार्दिक श्रध्दांजलि अर्पित करता हूं ।

श्री कल्यान सिंह–

अध्यक्ष महोदय, देश की आजादी की लड़ाई में जिस पीढ़ी ने अपना सक्रिय योगदान दिया, उस पीढ़ी के मूर्धन्य नेता स्वर्गीय पंडित कमलापति त्रिपाठी थे । वे सर्वतोन्मुखी प्रतिभा के धनी थे । वे उच्चकोटि के पत्रकार और साहित्यकार थे । वे मौलिक चिंतक, विचारक तथा बहुत प्रखर वक्ता थे । उनकी वाणी में ओज था और जो कुछ उनके विचार थे उन विचारों को रखने की उनमें बड़ी क्षमता थी । ऐसे अवसर भी आये जब अपने दल के नेता की कुछ बातों को उन्होंने समय-समय पर नापसंद किया तो उसका विरोध करने का भी साहस किया और सही दिशाबोध कराने के लिये उन्होंने पत्र लिखे । मैं समझता हूं कि वह पत्र इतिहास की धरोहर बने रहेंगे । उनके उठ जाने से जो एक रिक्तता उत्पन्न हुई है, उसकी पूर्ति होनी असम्भव है । मैं ऐसा मानता हूं । कि वह केवल कांग्रेस दल के ही नेता नहीं थे । वह इस प्रदेश के नेता तो थे ही और यदि यह कहा जाय कि वह देश के नेता थे, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी । उनके उठ जाने से हम सब बहुत दुखी हैं । लोक तंत्र में विचारों में मतभेद होना अस्वाभाविक बात नहीं होती, पंडित कमलापति त्रिपाठी जी की कुछ बातों ऐसी थीं, जिनके साथ मेरा और मेरे दल का मतभेद था, तो भी वे अपने विचारों के धनी थे, हम अपने विचारों के धनी हैं, उनके प्रति हमारी बहुत बड़ी श्रद्धा है । आज के अवसर पर ऐसा कोई वाक्य शोक-संवेदना व्यक्त करते समय उत्तेजना में नहीं बोलना चाहिए, जो गम्भीर वातावरण को हल्का-फुल्का कर दे । मुझे दुःख है कि यहां पर शोक-संवेदना के अवसर पर कुछ चुनौती भरी बातें कही गयीं, इसका अवसर आज नहीं है, यह मौका कल आयेगा । लेकिन आज हमें बड़ी गम्भीरता के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करना है ।

(व्यवधान)

मैं किसी शोर-शराबे का भी औचित्य सिद्ध नहीं कर रहा हूं । मान्यवर, इन शब्दों के साथ मैं अपनी ओर से, अपने दल की ओर से आदरणीय स्वर्गीय पण्डित कमलापति त्रिपाठी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे प्रार्थना करता हूं कि हमारी तथा हमारे दल की यह शोक-संवेदनायें उनके शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें । एक बात और कहना चाहता हूं । मान्यवर, जब मैंने यह सूची देखी, इसमें स्वर्गीय पंडित श्री नारायण चतुर्वेदी जी का नाम नहीं है, आज उनका नाम सूची में होना चाहिए । यह हिन्दी प्रदेश है । उन्होंने हिन्दी भाषा की गरिमा को बढ़ाने के लिए बड़ा योगदान दिया था, न मालूम किस कारण से उनका नाम छूट गया है । उसी प्रकार से

डा0 राम कुमार वर्मा जी, जो हिन्दी के प्रख्यात लेखक थे, उनका भी नाम इस सूची में नहीं है। उनको भी श्रद्धांजलि अर्पित करनी चाहिए थी। इसी के साथ-साथ जैसा मैंने आज प्रातः ही लिखित दिया था, उसमें गत 30 अक्टूबर और 2 नवम्बर को अयोध्या में जो राम भक्त कार सेवक शहीद हुए हैं, उनका नाम भी इस सूची में होना चाहिए। (व्यवधान) इन बलिदानी राम भक्त कार सेवकों के प्रति यह सदन अपना प्रस्ताव पारित करके श्रद्धांजलि अर्पित करे। मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से अयोध्या में शहीद हुए राम भक्तों के प्रति सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

(व्यवधान)

श्री शारदानन्द अंचल–

मान्यवर, इसको कार्यवाही से निकाला जाय।

(कई माननीय सदस्यों के एक साथ खड़े होने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष–

आप बैठ जाइये।

श्री कल्यान सिंह–

मान्यवर, आपने जो व्यवस्था दी थी कि जो आज हमें नोटिस आपने दिया है, उस पर नेता सदन और नेता विरोधी दल की सहमति नहीं हो पाई, इसलिए उसे नहीं लिया गया। मैं केवल यह बात करना चाहता हूं, जब माननीय नारायण दत्त तिवारी, मुख्य मंत्री थे और माननीय मुलायम सिंह यादव प्रति पक्ष के नेता थे, तब 'अमर उजाला' के पत्रकार स्वर्गीय डोरी लाल के निधन पर माननीय राजेन्द्र कुमार गुप्ता जी ने श्रद्धांजलि अर्पित करने का प्रस्ताव रखा, जिसकी पहले से कोई सूचना नहीं थी, उनके अनुरोध को तत्काल माननीय नारायण दत्त तिवारी जी ने और माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने स्वीकार कर लिया था और स्वर्गीय डोरी लाल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी थी।

श्री राम चन्द्र बख्श सिंह–

माननीय अध्यक्ष जी, परम आदरणीय पंडित कमलापति त्रिपाठी जी के निधन से मुझे और मेरे दल के सभी सदस्यों को हार्दिक दुख है। उनके बारे में जो विचार माननीय नेता सदन और माननीय नेता विरोधी दल तथा माननीय कल्यान सिंह जी नेता भा0 ज0 पा0 ने व्यक्त किए हैं उनसे मैं अपने और अपने दल को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, पंडित कमला पति त्रिपाठी जी ने निर्विवाद रूप से देश के जाने-माने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक, मंत्री, मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री के रूप में सदैव इस देश की एकता के लिए, विकास के लिए, अखण्डता की रक्षा के लिए कार्य किया और उन्हें न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरा देश सदैव याद रखेगा। मान्यवर, आज जो देश के सामने तनाव की स्थिति है जिस प्रकार पूरा देश बुरी तरह से झुलस रहा है ऐसे में पंडित जी के निधन से हम दुखी हैं। पंडित जी एक प्रेरणा के श्रोत थे और वह आगे भी प्रेरणा के श्रोत रहेंगे। पंडित जी ने अपने जीवन के शुरू से अन्त तक देश की एकता अखण्डता तथा स्वतन्त्रता की जो रक्षा की है उसके लिए सारा देश और हम सब ऋणी रहेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपने और अपने दल की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

मान्यवर, एक अनुरोध है, निधन के निदेशों के समय हम लोगों को सभी माननीय सदस्यों को सदन की कुछ परम्पराएं बनाए रखनी चाहिए। राजनीति के लिए अवसर आगे और आयेंगे लेकिन जब श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तो उसे हल्केपन से इसे नहीं लेना चाहिए। जो दलों के बड़े व्यक्ति हैं वह हल्केपन से राजनीतिक ढंग की बात करते हैं। इससे प्रदेश की जनता और देश की जनता हमको माफ नहीं करेगी। हम लोगों में मतभेद रहे हैं, हम लोग लड़ेंगे लेकिन श्रद्धांजलि अर्पित करते समय शांति का माहौल रहना चाहिए यही हमारा अनुरोध है।

श्री राज किशोर सिंह–

माननीय अध्यक्ष महोदय, पंडित कमला पति त्रिपाठी हम लोगों के बीच नहीं रहे, वह काशी के गौरव माने जाते थे। वह बहुत प्रतिभावान व्यक्तित्व के पुरुष थे और उन्होंने काशी में बहुत

से कार्य किये हैं जिसकी प्रशंसा करना शब्दों में मुश्किल है । पंडित जी स्पष्ट वक्ता थे और उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी ख्याति प्राप्त की थी, उन्होंने कई ग्रन्थ भी लिखे । पंडित जी कांग्रेस के एक समर्पित नेता थे और शुरू से लेकर अन्त तक इधर उधर नहीं झांका । जब कांग्रेस में बहुत बड़ा संकट आया था ऐसे वक्त इंडीकेट सिंडीकेट का संगठन हुआ उस वक्त पंडित कमला पति त्रिपाठी जी ने ताल ठोककर इंदिरा जी का साथ दिया और अन्त तक वह कांग्रेस से जुड़े रहे ।

मान्यवर, पंडित कमला पति त्रिपाठी बहुत ही ईश्वर भक्त थे लेकिन धर्मान्धता नाम की चीज उनके अन्दर नहीं थी । कांग्रेस में वह पहले व्यक्ति थे जिन्होंने राम जन्म भूमि और बाबरी मस्जिद के सवाल पर स्पष्ट रूप से कहा था कि अगर मस्जिद गिरायी गयी तो इससे देश की एकता और अखण्डता को बहुत नुक्सान पहुंचेगा । मस्जिद अगर गिरायी गयी और उस पर फावड़ा अगर चला तो पहला फावड़ा हमारे गर्दन पर चलेगा । इस तरह का बयान कांग्रेस के अन्दर और किसी व्यक्ति ने नहीं दिया था और आज ऐसी घड़ी है जब देश की एकता और अखण्डता के लिए खतरा पैदा हो गया है और साम्प्रदायिक शक्तियां सिर उठा रही हैं । उनके सामने देश का महत्व नहीं है बल्कि वह एक सीमित दायरे से सोच रहे हैं जो देश के लिए बहुत ही नुक्सानदेह साबित होने वाला है । मान्यवर, पंडित जी एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे लगातार उन्होंने आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया और जीवन पर्यन्त इस देश के हित के लिये, देश के फायदे के लिये संघर्ष करते रहे । वे इस सदन के लगातार सदस्य रहे । मंत्री रहे । केन्द्र में भी मंत्री रहे । जब वह रेल मंत्री रहे, तब उनके जमाने में रेलों का काफी विस्तार हुआ । कई रेलें चलाई गयीं । उन्होंने कई स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया, जिसको आज भी जनता याद करती है । मान्यवर, इन शब्दों के साथ मैं अपनी ओर से, अपने दल की ओर से मा0 पंडित जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे यह निवेदन करता हूं कि हमारी और हमारे दल की संवेदनाएं उनके शोक संतप्त परिवार को भेजने की कृपा करें ।

श्री शेख मोहम्मद सुलेमान–

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 नेता सदन, मा0 नेता विरोधी दल और मेरे बुजुर्ग नारायण दत्त तिवारी जी, मा0 नेता विरोधी दल भारतीय जनता पार्टी मा0 कल्याण सिंह जी, रामचन्द्र बख्श सिंह जी, राजकिशोर सिंह जी, मुझे बहुत दुःख है कि हमारे बुजुर्ग पंडित कमलापति त्रिपाठी जी आज हमारे बीच में नहीं रहे । इस मुल्क को आजाद कराने में उनकी बड़ी अहम भूमिका रही । एक और खास बात मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे स्वर्गीय वालिद (शेख उल्फा बख्श) जो इस सदन के सदस्य रहे, उनके साथी रहे । इससे मुझे पंडित कमलापति त्रिपाठी जी से प्रेरणा मिलती रही और मैं उनकी प्रेरणा पर चलता रहा । वह आखिरी समय में जबकि चारपाई पर रहे, बीमार रहे, इस देश की एकता और अखण्डता को बनाए रखने के लिये भारत के सभी लोगों से अपनी अपील करते रहे । उन्होंने भाईचारे की अपील की । पंजाब का मसला हो, कश्मीर का मसला हो और चाहे फैजाबाद में बाबरी मस्जिद और जन्मभूमि का मसला रहा हो, उन्होंने आखिरी समय तक कहा कि यह तो कोर्ट का फैसला मान लो या आपस में बैठकर तय कर लो । वह हमारे बीच में नहीं रहे, इसका मुझे दुःख है । मैं उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और मा0 अध्यक्ष जी से निवेदन करता हूं कि उनके परिवार को मेरी और मेरे दल की ओर से शोक संवेदनाएं भेज दें ।

*कुंवर रेवती रमण सिंह–

मान्यवर, मा0 स्वर्गीय कमलापति त्रिपाठी जी देश के उन नेताओं में से थे जिन्होंने इस देश की आजादी की लड़ाई में बहुत ही प्रमुख भूमिका अदा की और मान्यवर, उसी के साथ-साथ उन्होंने अपना जीवन पत्रकारिता से शुरू किया । काशी से उन्होंने अपनी पत्रकारिता शुरू की और सारे प्रदेश और देश में पत्रकारिता में उनका एक अहम स्थान रहा । मान्यवर, इसी के साथ-साथ पंडित जी में कई गुणों का समावेश था । वे साहित्यकार थे और उनकी रचनाएं आज हिन्दी जगत में अपना प्रमुख स्थान रखती हैं । मान्यवर, पंडित जी शुरू में इस प्रदेश के पार्लियामेन्टरी सेक्रेटरी बने और फिर

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

डा0 सम्पूर्णानन्द जी के मंत्रिमंडल में उनका एक प्रमुख स्थान रहा । वे शिक्षा मंत्री और गृह मंत्री के रूप में रहे और फिर मान्यवर, वे इस प्रदेश के मुख्य मंत्री भी बने । इस प्रदेश के मुख्यमंत्री के अलावा भारत सरकार में भी रहे । खास तौर से रेल मंत्रालय में उनके काम को आज भी लोग याद करते हैं ।

मान्यवर, पंडित जी के न रहने से आज एक रिक्तता आयी है । संसदीय प्रणाली में जो पार्टियों में एक दर्शन था एक आदर्श था वह धीरे-धीरे लुप्त होता जा रहा है । मान्यवर, मुझे याद है कि जब कांग्रेस पार्टी में पहली बार विभाजन हुआ, पंडित जी उन नेताओं में थे जो मूल पार्टी के साथ रहे, उन्होंने कभी मूल पार्टी को छोड़ा नहीं । बाद में वर्किंग प्रेसीडेंट के रूप में कांग्रेस पार्टी में विद्यमान थे । उनके कुछ वैचारिक मतभेद हुए और उन्होंने पत्र तो जरूर लिखा और अपना मतभेद भी मुद्दों पर प्रकट किया लेकिन मान्यवर उन्होंने पार्टी छोड़ी नहीं । एक ऐसा उनका आदर्श था जो जीवनपर्यन्त उन्होंने उस वृत को कायम रखा । मान्यवर, ऐसे महान नेता के प्रति मैं अपनी ओर से उनके शोक संतप्त परिवार तक अपनी संवेदना आपके द्वारा भेजना चाहता हूं जनता दल और मेरी ओर से संवेदनायें उनके शोक संतप्त परिवार तक भेजने की कृपा करें ।

(श्री अध्यक्ष द्वारा श्री राम स्वरूप वर्मा का नाम पुकारा गया परन्तु वे सदन में उपस्थित नहीं थे)

श्री अध्यक्ष–

पंडित कमलापति त्रिपाठी का निधन दिनांक 8 अक्टूबर, 1990 को प्रातः 1 बजकर 30 मिनट पर हो गया । वह लगभग 85 वर्ष के थे । पंडित कमलापति त्रिपाठी का जन्म सन् 1905 में जनपद वाराणसी में हुआ था । पंडित जी ने काशी विद्यापीठ वाराणसी से शास्त्री की उपाधि प्राप्त की थी । वे सर्वप्रथम सन् 1937 में सामान्य निर्वाचन में निर्वाचन क्षेत्र बनारस पूर्व जनपद वाराणसी से कांग्रेस के टिकट पर उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए तत्पश्चात् वे सन् 1946, 1952, 1957, 1962, 1967 तथा 1969 के सामान्य निर्वाचनों में भी उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित होते रहे । वे लोक सभा और राज्य सभा के भी सदस्य रहे । पंडित कमलापति त्रिपाठी कांग्रेस के अग्रणी नेता थे । श्री त्रिपाठी संविधान सभा के भी सदस्य रहे । वे उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल में सन् 1952 से 1967 तक मंत्री तत्पश्चात् 1969 में उप मुख्य मंत्री एवं अप्रैल 1971 से जून 1973 तक उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे ।

पंडित जी केन्द्र में भी परिवहन मंत्री एवं रेलमंत्री के पद पर आसीन रहे । 30 मार्च, 1977 से 7 जनवरी, 1980 तक वे राज्य सभा में नेता विरोधी दल भी रहे । पंडित जी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा अखिल भारतीय कांग्रेस (आई) के कार्यवाहक अध्यक्ष भी रहे । पंडित कमलापति त्रिपाठी महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे तथा सन् 1921 के असहयोग आन्दोलन में भाग लिया था साथ ही वे एक जाने-माने पत्रकार भी थे । हिन्दी तथा संस्कृत के विद्वान व ग्रन्थकार थे । उन्हें गांधी दर्शन से सम्बद्ध पुस्तक पर मंगला प्रसाद पारितोषिक पुरस्कार प्रदान किया गया था ।

विधान सभा में दिसम्बर, 1987 में जब विधान सभा की स्वर्ण जयन्ती मनायी गयी तो पंडित कमलापति त्रिपाठी जी को भी आमंत्रित किया गया था उनका सम्मान भी उनको सुपुर्द किया गया था । पंडित कमलापति त्रिपाठी जी हमारे देश की अद्भुत प्रतिभा थे । आप सबको अच्छी तरह से मालूम है कि उन्हें हमारे देश से कितना प्यार था । देश भावना के अन्तर्गत जो भी कार्य किया उससे परिलक्षित होता है कि उनका प्यार इस देश की माटी से बहुत जुड़ा हुआ था । रेल मंत्री के नाते उन्होंने जितनी रेलें चलवायीं उन रेलों का नाम नदियों के नाम पर भी रखा जैसे गोमती एक्स0, गंगा जमुना एक्स0, काशी विश्वनाथ एक्स0 व गंगा कावेरी आदि-आदि उनके नाम रखे । सबसे बड़ी बात हमारे सबके लिये है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा में उनका बहुत योगदान रहा हमें इस बात का गर्व है । मेरी भी थोड़ी बहुत जानकारी इस विधान सभा से जुड़ी हुई है, उनका अद्भुत व्यक्तित्व था । संसदीय शब्दों का प्रयोग शांत भाव से वह तर्क प्रस्तुत करने के लिये बराबर करते थे । मुझे आशा है कि आज की पीढ़ी और आगे आने वाली पीढ़ी उनकी बातों से सबक लेगी । आज हमारे दल के विभिन्न नेताओं ने जो विचार व्यक्त किये हैं और जो

अपनी संवेदनाओं के भाव व्यक्त करने के लिए उनके परिवार तक पहुंचाने के लिए कहा है, मैं उसके अनुरूप आप सब के विचारों को उनके परिवारों को भेज दूंगा । अब आपसे निवेदन है कि कृपया दो मिनट के लिए खड़े होकर मौन धारण करें ।

(सदन में दिवंगत आत्मा की शांति के लिये सभी मा0 सदस्य दो मिनट मौन खड़े हुए ।)

विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री मलखान सिंह, श्री राम जियावन, श्री दौलत लाल, श्री यशपाल सिंह, श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह, श्री अम्बा प्रसाद वर्मा, श्री काशी प्रसाद पाण्डेय, श्री मोहम्मद अमीन अंसारी, श्री मुल्की राज, श्री रघुनाथ राम, श्री कामता प्रसाद विद्यार्थी, श्री वंश गोपाल चौबे, श्री मथुरा प्रसाद पाण्डेय, चौधरी दाताराम, श्री राम मुश्ताक, श्री आत्माराम पाण्डेय, श्री जगन प्रसाद रावत, चौधरी मुल्तान सिंह तथा श्री राम चरन गंगवार के निधन पर शोकोद्गार

*मुख्य मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव)–

अध्यक्ष महोदय, इस सदन के 19 वर्तमान तथा भूतपूर्व सदस्य, जिन्होंने इस सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेकर प्रदेश की जनता की सेवा की उनकी दुखद मृत्यु की सूचना देते हुए हमें बहुत अफसोस है । ये 19 व्यक्ति हैं-- स्व0 श्री मलखान सिंह, जालौन, स्व0 श्री श्रीराम जियावन, सुल्तानपुर, स्व0 श्री दौलत लाल, आजमगढ़, स्व0 श्री यशपाल सिंह, बुलन्दशहर, स्व0 श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह, कानपुर, स्व0 श्री अम्बा प्रसाद वर्मा, बरेली, स्व0 श्री काशी प्रसाद पाण्डेय, सुल्तानपुर, स्व0 श्री मोहम्मद अमीन अन्सारी, इलाहाबाद, स्व0 श्री मुल्की राज, सहारनपुर, स्व0 श्री रघुनाथ राम, बलिया, स्व0 श्री कामता प्रसाद विद्यार्थी, वाराणसी, स्व0 श्री बंश गोपाल चौबे, फर्रुखाबाद, स्व0 श्री मथुरा प्रसाद पाण्डेय, सिद्धार्थनगर, स्व0 श्री दाता राम, सहारनपुर, स्व0 श्री राम मुश्ताक, सहारनपुर, स्व0 श्री आत्मा राम पाण्डेय, गाजीपुर, स्व0 श्री जगन प्रसाद रावत, आगरा, स्व0 चौधरी मुलतान सिंह, फिरोजाबाद, स्व0 श्री राम चरन लाल गंगवार, बरेली ।

अध्यक्ष महोदय, जो आपके सामने 19 नाम हमने पढ़े हैं उन्होंने सदन में रह करके और सदन के बाहर राजनीतिक जीवन और सामाजिक जीवन में समाजवाद और समाज के शोषण के खिलाफ लड़ाई लड़ी । उनमें बहुत से लोगगण, जैसे–स्व0 श्री मुल्कीराज, स्व0 चौधरी मुलतान सिंह और अन्य कई स्वर्गीय सदस्य हैं, जिनके साथ हमने समाजवाद लाने के लिए, गरीबी मिटाने के लिए, शोषण मिटाने के लिए काम किया है । कुछ मा0 सदस्य ऐसे भी हैं जिन्होंने शिक्षा के प्रसार और प्रचार के लिए बहुत बड़ा काम किया है । मान्यवर, कई ऐसे सदस्य हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई में भी विशेष योगदान दिया । ऐसे महान नेता, जिन्होंने सदन में रहकर के प्रदेश की सेवा की, उनके निधन से हमें दुख है । आपसे प्रार्थना है कि हमारे दल और सदन की ओर से हमारी संवेदनाएं और भावनाएं उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें ।

नेता विरोधी दल (श्री नारायण दत्त तिवारी)–

श्रीमन्, जिन 19 विभूतियों के निधन के संबंध में माननीय नेता सदन ने अभी अपने विचार व्यक्त किए हैं, मैं उनसे अपने को संबद्ध करता हूं । श्रीमन् श्री जगन प्रसाद रावत एक ऐसे महान व्यक्ति और प्रदेश के जाने माने नेता थे, जिन्होंने सन् 1921 से आजादी की लड़ाई में भाग लेकर और उसके बाद तक स्वतंत्रता के आन्दोलन में अग्रणी योगदान दिया, हमारे देश और प्रदेश को । श्री जगन प्रसाद रावत जी ने हमारे प्रदेश में पंत मंत्रिमंडल में सभा सचिव के रूप में तथा बाद में सार्वजनिक निर्माण मंत्री के रूप में बड़ा योगदान दिया । जो पी0 आर0 डी0 प्रादेशिक विकास दल कहलाता है, जो प्रान्तीय रक्षकदल भी कहलाता है, यह उनके नेतृत्व में ही गठित हुआ था । आज भी वह प्रादेशिक विकास दल हमारे प्रदेश में मुख्य रूप से भाग ले रहा है और विकास से जुड़े संगठनों की पंक्ति में आगे खड़ा है । आगरा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जन जीवन में वह विशेष रूप से आजीवन प्रेरणा के श्रोत रहे । अपनी रुग्णावस्था में भी वह आगरा नगर में और जिले में तथा अन्य जनपदों के विकास के लिए निरन्तर पूरी तरह जागरूक रहे । वहां की हर प्रमुख सभा में, हर सार्वजनिक कार्य में हमने उनको हर जगह पाया ।

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

श्रीमन् श्री मोहम्मद अमीन अन्सारी इस राज्य में मंत्रिमंडल के सदस्य रहे । बुनकर भाईयों के उत्थान के लिए निर्मित हैण्डलूम कारपोरेशन की स्थापना में उनका बड़ा योगदान रहा, वह राज्य सभा के सदस्य भी रहे । उनका देहावसान ऐसे समय हुआ, जब वह हज यात्रा के लिए मक्का-मदीना जा रहे थे, आज हम श्री मोहम्मद अमीन अन्सारी के प्रति अपनी हार्दिकतम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं मेरा आपसे निवेदन है कि उनके शोक संतप्त परिवार तक हमारी श्रद्धांजलि पहुंचा दें ।

श्रीमन्, चौधरी मुल्तान सिंह जी एक प्रख्यात समाजसेवी नेता हमारे प्रदेश के थे । वह चार बार विधान सभा के सदस्य रहे । वह टुण्डला टाउन एरिया के चेयरमैन रहे और प्राक्लन समिति से लेकर सिंचाई बोर्ड तक अनेक समितियों तथा संस्थाओं के वह सदस्य रहे । चौधरी मुल्तान सिंह जी का व्यक्तित्व तथा उनकी सामाजिक सेवा सदैव चिरस्मरणीय रहेगी । इसी प्रकार श्री मथुरा पाण्डेय जी की पुर्वान्चल में एक प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में बड़ी ख्याति रही । स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान 3 वर्ष तक लगातार वह बन्दी रहे । बाद में वह चार बार विधान सभा के तथा 3 बार विधान परिषद् के सदस्य रहे । सिद्धार्थनगर जनपद के निर्माण में उनका बड़ा योगदान रहा । इस सदन के हमारे वरिष्ठ सदस्यों के मन में श्री मथुरा प्रसाद पाण्डेय जी के व्यक्तित्व की स्मृति भली भांति अंकित है ।

श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह क्रान्तिकारी स्वभाव के व्यक्ति थे । उनके निधन से न केवल कानपुर नगर तथा कानपुर देहात बल्कि पूरे प्रदेश के जनजीवन को भारी क्षति पहुंची है । चन्देल साहब समाजवादी विचारधारा के एक सच्चे अनुयायी थे । पहले समाजवादी दल तथा बाद में प्रजा समाजवादी दल में उन्होंने लगातार तब तक कार्य किया जब तक कि उसका विलयन कांग्रेस में अशोक मेहता जी के साथ, चन्द्रशेखर जी के साथ नहीं हो गया । उसके बाद वह सन् 1980 में विधान सभा के लिए चुने गये । मुझे व्यक्तिगत जानकारी है कि रामगंगा कमाण्ड एरिया के निर्धारण तथा विकास के लिए भी उन्होंने बहुत कार्य किया ।

इसी प्रकार श्री मुल्की राज जी थे । इस विधान सभा के लिए 1967 में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर चुने गये थे । वह लोक सभा के सदस्य भी रहे । श्री मुल्कीराज की आवाज किसानों की आवाज थी । समाजवादी आन्दोलन में मैंने उन्हें काम करते हुए देखा था उनके भाषणों को सुना । किस प्रकार उन्होंने खेती के विकास के माध्यम से और किसानों की उन्नति के माध्यम से इस प्रदेश की जो सेवा की, उसकी अपनी अलग एक पहचान है । समाजवादी आन्दोलन के ऐसे पुराने व कर्मठ सेनानी के निधन पर हम हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

श्री यशपाल सिंह जी बुलन्दशहर के रहने वाले थे । उन्होंने स्वर्गीय स्वनामधन्य श्री बनारसी दास जी के साथ राजनैतिक जीवन में बड़ा योगदान किया । वह विधान सभा व विधान परिषद् दोनों के सदस्य रहे । श्री दौलत लाल जी जो आजमगढ़ के रहने वाले थे वह भी एक प्रखर समाजवादी थे । वह इस सदन में लगातार किसानों की व मजदूरों की आवाज को उठाते रहे । श्री मलखान सिंह जी जालौन के रहने वाले थे । वह भी अपनी लगन तथा विचारों के धनी थे । उनके प्रति भी हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । श्री कामता प्रसाद विद्यार्थी जी इस देश की आजादी की लड़ाई में एक प्रमुख सेनानी के रूप में प्रख्यात रहे । उन्होंने दीर्घकालीन तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में और बाद में विधायक के रूप में बनारस व पूर्वान्चल की बहुत सेवा की है । श्री रघुनाथ राम जी भी एक समर्पित राजनीतिक व्यक्ति थे । मैं उनके प्रति भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं । श्री काशी प्रसाद पाण्डेय जी सुल्तानपुर के रहने वाले थे । वह 1952 में पहली बार इस सदन में चुनकर आये थे । उनकी भव्य धवल काया इस सदन की शोभा बढ़ाती थी ।

श्री अम्बा प्रसाद वर्मा जी दो बार इस विधान सभा के सदस्य रहे । हम लोग काफी समय तक साथ-साथ रहे । मैंने श्री वर्मा जी को नजदीक से काम करते देखा है । बहेड़ी महाविद्यालय की स्थापना करने में उन्होंने बहुत बड़ा योगदान किया । गन्ना समिति के माध्यम से उन्होंने सीमा खेड़ा में चीनी मिल की स्थापना में भी कीफी योगदान दिया । उन्होंने बहेड़ी क्षेत्र की सेवायें बड़ी लगन व निष्ठा से की । उनकी सेवायें चिरस्मरणीय रहेंगी । इसी तरह श्री दाता राम, सहारनपुर तथा स्व0 श्री राव मुश्ताक, सहारनपुर की स्मृति भी दीर्घकाल तक बनी रहेगी । श्री राव मुश्ताक बड़े

बहादुर व जीवट वाले व्यक्ति थे । इस सदन में भी वह विशेष शैली में भाषण करते थे । मुझे यह अच्छी तरह से याद है । स्व0 श्री राम चरन लाल गंगवार मीरगंज (बरेली) से पहली बार विधान सभा में चुनकर आये थे । कांग्रेस दल की उन्होंने बहुत सेवायें कीं । स्व0 श्री वंश गोपाल चौबे जी भी एक स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी थे । वह छिबरामऊ (फर्रुखाबाद) से चुनकर आये थे । राजनीतिक तथा सार्वजनिक जीवन में उनका भी बड़ा योगदान रहा । इसके अलावा कई सामाजिक संगठनों और धार्मिक संगठनों में उन्होंने अपना बड़ा योगदान किया है । श्री चौबे जी के प्रति भी हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । श्रीमन्, मुझे विश्वास है कि इस सदन के सदस्य रहे इन सभी श्रद्धेयजनों के शोक संतप्त परिवारों तक मेरी ओर से और मेरे दल की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि व संवेदना के ये भाव प्रेषित करने की कृपा करेंगे ।

श्री कल्यान सिंह–

मान्यवर, श्री मलखान सिंह, जालौन, श्री राम जियावन सुल्तानपुर, श्री दौलत लाल, आजमगढ़, श्री यशपाल सिंह, बुलन्दशहर, श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह, कानपुर, श्री अम्बा प्रसाद वर्मा, बरेली, श्री काशी प्रसाद पाण्डेय, सुल्तानपुर, श्री मोहम्मद अमीन अंसारी, इलाहाबाद, श्री मुल्की राज, सहारनपुर, श्री रघुनाथ राम, बलिया, श्री कामता प्रसाद विद्यार्थी, वाराणसी, श्री वंश गोपाल चौबे, फर्रुखाबाद, श्री मथुरा प्रसाद पाण्डेय, सिद्धार्थनगर, श्री दाता राम, सहारनपुर, श्री राव मुश्ताक, सहारनपुर, श्री आत्मा राम पाण्डेय, गाजीपुर, श्री जगन प्रसाद रावत, आगरा, चौधरी सुल्तान, सिंह, फिरोजाबाद तथा श्री राम चरन लाल गंगवार, बरेली यह मान्यवर, 19 महानुभाव आज हमारे बीच नहीं रहे, इसका हम सब को आज बहुत दुख है, यह सभी अपने अपने जनपदों के नेता थे और इनमें से कोई ऐसा भी था जो प्रदेश स्तर का नेता था, उनमें से मैं कई लोगों को जानता भी हूं और इनमें से कई एक से अधिक बार इस सम्मानित सदन के अन्दर अपने निर्वाचन क्षेत्रों से चुनकर आये थे, यह उनकी लोक प्रियता का ही प्रतीक है, इनके उठ जाने से जो रिक्तता हमारे बीच हुई है, उसे जल्दी भरा नहीं जा सकता है । मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से शोक संतप्त परिवार तक आपके माध्यम से संवेदनायें भेजना चाहता हूं । इसलिए आपसे प्रार्थना है कि मेरी यह प्रार्थना उन शोकाकुल परिवार तक पहुंचा दें कि भगवान उन्हें इतने बड़े दुख को वर्दाश्त करने की क्षमता व धैर्य दे । यह संवेदनाएं कृपया उनके शोक संतप्त परिवार तक कृपया भिजवा दें ।

श्री राम चन्द्र बख्श सिंह–

मान्यवर, आज यह समाचार सुनकर हम सभी लोगों को बहुत दुख है कि हमारे बीच से 19 भूतपूर्व माननीय सदस्यगण उठ गए । इन माननीय सदस्यों के बारे में माननीय नेता सदन, मा0 नेता विरोधी दल तथा मा0 कल्यान सिंह जी ने जो शोकोद्गार रक्खे, इन विचारों से मैं अपने को व अपने दल को सम्बद्ध करते हुए आपसे अनुरोध करता हूं कि शोक संतप्त परिवार तक हमारी संवेदनाएं भी भेजने की कृपया करें ।

श्री राज किशोर सिंह–

मान्यवर, 19 सदस्यों के बारे में आज मा0 नेता सदन व नेता विरोधी दल, नेता भा0 ज0 प0 तथा नेता सी0 पी0 आई0 आदि ने जो भावनाएं व्यक्त की हैं, उससे मैं अपने को व अपने दल को सम्बद्ध करता हूं । मान्यवर, यह सभी लोग अपने-अपने क्षेत्रों के लोकप्रिय नेता थे, इनके निधन से हमारे देश में जो रिक्तता हुई है, वह जल्दी पूरी नहीं की जा सकती है । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से इन 19 भूतपूर्व मा0 सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता हूं और आपसे अनुरोध करता हूं कि इन शोक संतप्त परिवार तक हमारी संवेदनाएं भेजने का कष्ट करें ।

श्री शेख मोहम्मद सुलेमान–

माननीय अध्यक्ष जी, यह इस सम्मानित सदन के 19 भूतपूर्व मा0 सदस्यों की सूची आज हमारे हाथ में है, जो हमारे बीच में नहीं रहे, स्व0 श्री मलखान सिंह, जालौन, श्रीराम जियावन, सुल्तानपुर, श्री दौलत राम, आजमगढ़, श्री यशपाल सिंह, बुलन्दशहर, श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह, कानपुर, श्री अम्बा प्रसाद वर्मा, बरेली, श्री काशी प्रसाद पाण्डेय, सुल्तानपुर, श्री मो0 अमीन अंसारी, इलाहाबाद, श्री मुल्कीराज, सहारनपुर, श्री रघुनाथ राम, बलिया, श्री कान्ता प्रसाद विद्यार्थी, वाराणसी;

श्री बंश गोपाल चौबे, फर्रुखाबाद, श्री मथुरा प्रसाद पाण्डेय, सिद्धार्थनगर, श्री दाता राम, सहारनपुर, श्री राय मुश्ताक, सहारनपुर, श्री आत्मा राम पाण्डेय, गाजीपुर, श्री जगन प्रसाद रावत, आगरा, चौधरी मुल्तान सिंह, फिरोजाबाद तथा स्व0 श्री राम चरन लाल गंगवार, बरेली आदि सभी के बारे में बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि यह लोग आज हमारे बीच नहीं रहे । यह लोग अपने पूरे जीवन काल में लोगों की सेवा करते रहे और खासकर गरीबों के, उनकी मुश्किलों को आसान करने के लिए हमेशा लड़ते रहे । मैं इन सभी को अपनी ओर तथा अपने दल की ओर से खिराजे-अकीदत व श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता हूँ । इसलिए मैं माननीय अध्यक्ष जी से यही अनुरोध करूंगा कि वे कृपया हमारे व हमारे दल की ओर से जो शोक संतप्त परिवार के लिए संवेदनाएं व्यक्त की गयी हैं, भिजवाने की कृपा करें ।

*श्री रघुवंश रमण सिंह–

मान्यवर यह आज जो 19 भूतपूर्व मा0 स्व0 सदस्यों के बारे में निधन संवेदनाएं सम्मानित सदन में दी गयी हैं, को सुनकर बहुत दुःख हुआ है कि इतने छोटे से अंतराल में जो कि पिछली विधान सभा में हम लोगों से मिले थे, परन्तु आज नहीं रहे, मान्यवर, इतने ही अंतराल में इतने लोगों का निधन हो गया, इसलिए बड़े दुख की बात है और . .

(समय 12 बजकर 05 मिनट)

मान्यवर, इन लोगों का योगदान किन्हीं न किन्हीं क्षेत्रों में विशेष रूप से रहा है । किन्हीं का राजनीतिक क्षेत्र में, किन्हीं का शिक्षा के क्षेत्र में, किन्हीं का सामाजिक क्षेत्र में और किसी का कृषि के क्षेत्र में योगदान रहा है । इन लोगों के आज उठ जाने से हार्दिक दुख है और क्लेश है । मैं आपके माध्यम अपनी ओर से और जनता दल की ओर से अनुरोध करता हूं कि आप शोक संतप्त परिवारों को संवेदना भेजने का कष्ट करें ।

श्री अध्यक्ष–

श्री मलखान सिंह ने अपना प्रारम्भिक जीवन पोस्ट आफिस में लिपिक के पद से प्रारम्भ किया था । कालान्तर में राजनैतिक भावनाओं से प्रेरित होकर उन्होंने राजकीय सेवा से त्याग पत्र देकर राजनीति में प्रवेश किया तथा जन सेवा में लग गये । योग, अध्यात्म और धार्मिक व सामाजिक बुद्धिजीवी व्यक्तियों से सम्पर्क करना उनको अधिक पसन्द था । श्री मलखान सिंह के निधन से जनपद जालौन ने एक कुशल समाजसेवी को खो दिया है । श्री राम जियावन जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पंचायत अदालत के सरपंच तथा कांग्रेस कमेटी के सदस्य रह चुके हैं । वे कई बार जेल गये । उन्होंने सर्वेशकृत रामायण, सर्वेश पद्य रत्नावली, दि गार्डन आफ ह्यूमैनिटि का प्रकाशन कराया । श्री राम जियावन के निधन से जनपद सुल्तानपुर ने एक कुशल समाजसेवी खो दिया है। श्री दौलत लाल प्राइमरी स्कूल के अध्यापक रहे । उन्होंने सन् 1942 के आन्दोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और जेल गये । श्री दौलत लाल आजादी के बाद डा0 राम मनोहर लोहिया के सम्पर्क में आये और टाउन एरिया फूलपुर के प्रथम चेयरमैन बने । अन्त में उनका मानसिक सन्तुलन बिगड़ गया था जो उनकी मृत्यु का कारण बना । श्री दौलत लाल के निधन से जनपद आजमगढ़ ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी खो दिया है ।

श्री यशपाल सिंह भारत सेवक समाज बुलन्दशहर के अध्यक्ष तथा जिला सहकारी संघ बुलन्दशहर के निदेशक एवं अध्यक्ष रहे । उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक एवं प्रान्तीय सहकारी संघ, उत्तर प्रदेश के निदेशक रहे । वे ब्लाक कमेटी, सिकन्दराबाद के ब्लाक प्रमुख भी रहे । सन् 1979 में छः दिन कारागार, बुलन्दशहर में बन्दी रहे । सहकारिता एवं ग्राम्य उद्योग के कार्यों में उनकी विशेष रुचि थी । श्री यशपाल सिंह के निधन से जनपद सुल्तानपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है । श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह प्रजा सोशलिस्ट पार्टी द्वारा चलाये गये आन्दोलनों में सफल भूमिका निभाते हुए पांच बार जेल गये । ये सोशलिस्ट पार्टी के जिला मंत्री, प्रचार मंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद पर रहे । सन् 1971 तक उन्होंने सोशलिस्ट पार्टी में अनेक

*वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया ।

महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया । सन् 1978 से जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रहे । अन्तिम समय तक वे राम गंगा कमान्ड के सदस्य रहे । कृषि कार्यों में तथा कृषि समस्याओं को हल करने में उनकी विशेष रुचि थी ।

श्री देवेन्द्र बहादुर सिंह के निधन से जनपद कानपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है । श्री अम्बा प्रसाद वर्मा विधान सभा की आश्वासन समिति के वर्ष 1984-85 तथा सार्वजनिक उपक्रम एवं निगम समिति के सदस्य रहे । वे अध्यक्ष गन्ना समिति बहेड़ी, बरेली 1971 से 1977 तथा प्रबन्धक गन्ना उत्पादक महाविद्यालय, बहेड़ी, बरेली 1971 से 1977 तक रहे । सड़कों एवं पुलों के निर्माण में आप विशेष प्रयत्नशील रहे । राष्ट्र उत्थान में आपकी विशेष रुचि थी । कृषि एवं पर्यटन आपको प्रिय था । श्री अम्बा प्रसाद वर्मा के निधन से जनपद बरेली ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है । श्री काशी प्रसाद पान्डे ने अपने जीवन काल में कादीपुर में नेशनल इण्टर कालेज की स्थापना की, जिसके वे स्वयं प्रबन्धक एवं संस्थापक थे । श्री काशी प्रसाद पाण्डेय के निधन से जनपद सुल्तानपुर ने एक कुशल समाजसेवी खो दिया है ।

श्री मोहम्मद अमीन अंसारी श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के मंत्रिमंडल में राज्य मंत्री तथा श्री श्रीपति मिश्र मंत्रि मंडल में राज्य मंत्री रहे । विभिन्न आन्दोलनों में वे 5 बार जेल गये । श्री अंसारी अनेक शिक्षा संस्थाओं से सम्बद्ध रहे । वे मऊ आइमा स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य बुनकर संघर्ष समिति के महामंत्री, राज्य मोमिन कांग्रेस के महामंत्री, यू0 पी0 कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं पार्लियामेंटरी बोर्ड के सदस्य भी रहे । अखिल भारतीय पावरलूम एसोसियेशन के मंत्री भी रहे । वे समाजसेवी तथा दलित उत्थान के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे । फुटबाल आपका प्रिय खेल था तथा समाचार पत्रों में आपकी विशेष रुचि थी । श्री अंसारी के निधन से जनपद इलाहाबाद ने एक कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया । श्री मुल्कीराज ने सन् 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया और जेल गये । सन् 1946 में जिला परिषद् के सदस्य एवं तालीमी कमेटी के अध्यक्ष रहे । आजादी के बाद सन् 1948 में जय प्रकाश जी के साथ कांग्रेस पार्टी को छोड़कर सोशलिस्ट पार्टी में आये । सन् 1954 में सिंचाई कर वृद्धि के विरोध में लोहिया जी के साथ जेल गये । श्री मुल्कीराज सन् 1979 से सन् 1983 तक लोकदल के जिला अध्यक्ष रहे । श्री मुल्कीराज के निधन से जनपद सहारनपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं स्वतंत्रता सेनानी खो दिया ।

श्री रघुनाथ राम प्राइमरी स्कूल के अध्यापक थे । वे किसान सभा तथा कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता भी रहे । पढ़ने में उनकी विशेष रुचि थी । श्री रघुनाथ राम के निधन से जनपद बलिया ने एक कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया ।

श्री कामता प्रसाद विद्यार्थी जिला कांग्रेस कमेटी आरा के सदस्य रहे । प्रान्तीय कांग्रेस कमेटी बिहार एवं उत्तर प्रदेश के भी आप सदस्य रहे । बक्सर फुटबाल क्लब के भी सदस्य रहे । श्री विद्यार्थी जी सन् 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो आन्दोलन के संचालक भी रहे । स्वतंत्रता आन्दोलनों में भाग लेने के कारण बहुत बार जेल गये । अध्ययन एवं बागवानी में उनकी विशेष रुचि थी ।

श्री कामता प्रसाद विद्यार्थी के निधन से जनपद वाराणसी ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं स्वतंत्रता सेनानी खो दिया ।

श्री वंश गोपाल चौबे विशेष रूप से कृषि सम्बन्धी कार्य करते थे । सन् 1942 में उन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया और जेल गये । सन् 1948 में वे जिला बोर्ड के सदस्य तथा शिक्षा समिति के अध्यक्ष बने । तत्पश्चात् जिला बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया । वे कई शिक्षा संस्थाओं से भी सम्बद्ध रहे । सन् 1975-76 में डी0 आई0 आर0 तथा मीसा के अन्तर्गत जेल गये । वे ग्राम सभा तरगांवा के कई बार प्रधान चुने गये । पिछले पांच वर्षों में उन्होंने विश्व हिन्दू परिषद् में सक्रिय योगदान दिया ।

श्री वंशगोपाल चौबे के निधन से जनपद फर्रुखाबाद ने एक महान् स्वतंत्रता सेनानी एवं कर्मठ राजनीतिज्ञ खो दिया ।

श्री मथुरा प्रसाद पांण्डेय जिला कारागार जेल में तीन वर्षों तक लगातार राजनीतिक बन्दी रहे तथा अनेक बार जुर्माना भी भरना पड़ा । श्री पांडेय विधान सभा की लोक लेखा समिति के भी सदस्य रहे हैं । शिवाजी माध्यमिक विद्यालय, बस्ती के पिछले कई वर्षों से प्रबन्धक रहे । सामाजिक उपन्यास पढ़ने में उनकी विशेष रुचि थी ।

श्री मथुरा प्रसाद पांडेय के निधन से जनपद सिद्धार्थनगर ने एक कर्मठ स्वतंत्रता सेनानी एवं कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया है ।

चौधरी दाताराम जिला बोर्ड के सदस्य रहे । वे प्रान्तीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य तथा जिला कांग्रेस कमेटी के प्रधानमंत्री भी रहे । चौधरी साहब सन् 1942 की क्रांति में एक वर्ष नजर बन्द रहे । वे कृषि इण्टर कालेज रामपुर की कार्यकारिणी के सदस्य रहे ।

चौधरी दाताराम के निधन से जनपद सहारनपुर ने एक कर्मठ राजनीतिज्ञ एवं स्वतंत्रता सेनानी खो दिया है ।

श्री राव मुश्ताक इस्लामिया इन्टर कालेज सहारनपुर के वाइस प्रेसीडेन्ट रहे । वे मुस्लिम इन्डस्ट्रियल गर्ल्स इन्टर कालेज के लाइफ मेम्बर तथा कासिम-उल-उलय के सदर थे । उन्होंने साउदी अरेबिया तथा पाकिस्तान की यात्रा भी की ।

श्री राव मुश्ताक के निधन से जनपद सहारनपुर ने एक कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया है ।

श्री आत्माराम पाण्डेय ने कांग्रेस आन्दोलन में कई बार भाग लिया और कई बार जेल गये । वे उच्च कोटि के स्वतंत्रता सेनानी थे । श्री पांडेय ने एक माह महात्मा गांधी के साथ रहकर देश की सेवा की । सन् 1952 से सन् 1988 तक टाउन नेशनल इन्टर कालेज सैदपुर के व्यवस्थापक रहकर शैक्षिक संस्था को सुचारु रूप से चलाने में योगदान दिए थे । पुस्तकों को पढ़ने का आपको विशेष शौक था ।

श्री आत्माराम पाण्डेय के निधन से जनपद गाजीपुर ने एक कर्मठ राजनीतिज्ञ एवं स्वतंत्रता सेनानी को खो दिया है ।

श्री जगन प्रसाद रावत जिला कांग्रेस कमेटी आगरा के अनेकों वर्षों तक प्रधान मंत्री तथा दीर्घकाल तक अध्यक्ष रहे । श्री रावत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य अनेक वर्षों तक रहे हैं । वे कांग्रेस विधान दल के मंत्री तथा सचेतक रहे । आगरा विश्वविद्यालय तथा अलीगढ़ विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी के सदस्य अनेक वर्षों तक रहे । श्री रावत सन् 1961 से नेशनल कोआपरेटिव डेवलपमेंट कमेटी एण्ड वेयरहाउसिंग बोर्ड के सदस्य रहे । उन्होंने भारत सरकार के कृषि विषयक प्रतिनिधिमंडल में रूस, फिनलैंड सहित अनेक देशों के आन्तरिक भागों में अनेक वनों, कृषि फार्मों तथा सहकारी कार्यकलापों का निरीक्षण किया । इस अवधि में वह मुख्यमंत्री के सभा सचिव, उप मंत्री तथा मंत्री भी रहे ।

श्री रावत स्वतंत्रता सेनानी के रूप में सन् 1930 से 1934 तक तथा सन् 1940 से 1945 तक प्रायः प्रतिवर्ष राष्ट्रीय आन्दोलनों में जेल गये तथा अनेक जेलों में रहे । वे भारत सेवक समाज के सदस्य रहे । क्रिकेट हाकी तथा फुटबाल के खिलाड़ी थे । संगीत, कला साहित्य तथा बागवानी में उनकी विशेष रुचि थी ।

श्री जगन प्रसाद रावत के निधन से जनपद आगरा ने एक महान स्वतंत्रता सेनानी तथा कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया । चौधरी मुल्तान सिंह ने सन् 1947 में राजनीति में पदार्पण किया । वे सन् 1947 से 1954 तक टुंडला टाउनएरिया के चेयरमैन रहे । चौधरी मुल्तान सिंह चौबीस शिक्षा समिति, मोहान जिला बुलन्दशहर के प्रधान रहे । वे सन् 1962 से 1967 तक राज्य चकबन्दी एवं सिंचाई बोर्ड के सदस्य तथा 1972 से 1973 तक विधान सभा की प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे । वे ए0 के कालेज शिकोहाबाद के मैनेजिंग कमेटी के सदस्य रहे । कृषि तथा घुड़सवारी में उनकी विशेष रुचि थी ।

चौधरी मुल्तान सिंह के निधन से जनपद फिरोजाबाद ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है ।

श्री रामचरन लाल गंगवार सन 1940 में डिस्ट्रिक कोआपरेटिव बैंक के डायरेक्टर चुने गये । तत्पश्चात् वर्ष 1957 से वर्ष 1977 तक पटेल इण्टर कालेज, धौरां टांडा के मैनेजर रहे ।

श्री रामचरन लाल गंगवार के निधन से जनपद बरेली ने एक कुशल राजनीतिज्ञ खो दिया है ।

बंधुवर आप सभी लोगों ने इस सदन के सम्मानित साथियों के निधन पर जो अपने विचार व्यक्त किए हैं और भावनायें व्यक्त की हैं उनके अनुरूप उनके परिवार तक इस सदन की संवेदना भेज दी जायेगी । आप सब से निवेदन है कि उनके सम्मान में दो मिनट खड़े होकर श्रद्धांजलि अर्पित करें ।

(दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए सभी सदस्य दो मिनट मौन खड़े हुए)

श्री अध्यक्ष–

स्व0 पं0 कमलापति त्रिपाठी जी के सम्मान में सदन की कार्यवाही आज स्थगित की जाती है । कल 11 बजे फिर मिलेंगे ।

(इसके बाद सदन 12 बजकर 12 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया ।)

भाल चन्द्र शुक्ल,
सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश ।

लखनऊ :
19 नवम्बर, 1990

विधान सभा उत्तर प्रदेश

पी0एच0यू0पी0-एल0 387 वि0 सभा(641)-1990-813 ।